

# भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : जून 2010

## प्रश्न पत्र-III

समय : 3 घन्टे

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य हैं। प्रत्येक भाग से कम से कम एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान है।

### भाग-I (आयुर्दाय)

1. किन्हीं दो का उत्तर दें :-

क. आयुस्थान व मारक स्थान में अंतर बताएं।

ख. दशाओं का आयुर्दाय पर क्या प्रभाव पड़ता है?

ग. बालारिष्ट पर चर्चा करें।

2. निम्न कुण्डली के लिए पिंडायु की गणना करें :-

(09.07.1955, 12:20 बजे, अमरोहा, उत्तर प्रदेश)

लग्न : कन्या 22:02, सूर्य : मिथुन 23:04, चन्द्र : कुंभ 09:15

मंगल : कर्क 05:25, बुध : मिथुन 02:06, गुरु : कर्क 12:10

शुक्र : मिथुन 08:19, शनि (व) : तुला 21:21, राहु : धनु 03:15

केतु : मिथुन 03:15

3. निम्न के कुछ योग बताएं :-

क. मध्यायु

ख. अरिष्ट भंग योग

4. किन्हीं तीन पर संक्षिप्त में लिखें :-

क. क्रुरोदय हरण

ख. निसर्ग आयु

ग. दिन मृत्यु

घ. खर ग्रह

5. क्या ज्योतिषी मृत्यु के समय का निर्धारण कर सकता है? यदि हाँ तो किन तथ्यों के आधार पर, चर्चा करें।

### भाग-II (चिकित्सा ज्योतिष)

6. क. चिकित्सा ज्योतिष में द्रष्टाकाण का क्या उपयोग है?

ख. चिकित्सा ज्योतिष में दुख स्थानों का क्या प्रभाव है?

7. रोग का समय जाननेके ज्योतिषीय नियम क्या हैं? आप रोग की गंभीरता व अवधि का निर्धारण किस प्रकार करेंगे?

8. निम्न के योग लिखें :-

i) मोटापा

ii) अन्धापन

iii) कोढ़

iv) मिर्गी

v) पेट में जलन

9. निम्न कुण्डली का अध्ययन कर यह निर्धारण करे कि जातक को किस प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी समस्या होने की संभावना है?

16.03.1974, 01:25 घण्टे, दिल्ली, दशा शेष : केतु 06व 01मा 19दि.

लग्न : धनु 02:13, सूर्य : मीन 01:21, चन्द्र : धनु 01:38,

मंगल : वृषभ 15:43, बुध : कुंभ 5:17, गुरु : कुंभ 08:12,

शुक्र : मकर 16:39, शनि : मिथुन 04:34, राहु : धनु 00:18

केतु : मिथुन 00:18

10. किन्हीं दो पर संक्षिप्त में लिखें :-

i) 22वाँ द्रष्टाण

ii) 64वाँ नवांश

iii) अच्छे स्वास्थ्य के संकेत

iv) हृदय रोग के संकेत